पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

प्रथम वर्ष वाणिज्यः हिंदी वैकल्पिक पेपर– 1

(षैक्षणिक वर्ष : 2013–2014 से आरंभ होनेवाला पाठ्यक्रम)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के मॉडेल पाठ्यचर्या के आलोक में किया गया है।)

उद्देष्यः

1. छात्रों को हिंदी के गद्य एवं पद्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रुचि बढाना तथा साहित्य की विविध विधाओं से परिचय कराना।
3. कहानी, कविता, निबंध, रेखाचित्र आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
4. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।
5. राष्ट्रीय ऐक्य, सामाजिक उत्तरदायित्व, वैज्ञानिकता आदि मूल्यों के प्रति छात्रों का ध्यान आकर्षित करना।
6. सफल व्यापारी एवं उद्योजक की गुणवत्ता से अवगत कराना।
6. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।
7. पारिभाषिक षब्दावली के माध्यम से छात्रों को वाणिज्य तथा बैंकों में प्रयुक्त हिंदी षब्दों से परिचित कराना।
8. पत्रलेखन, विज्ञापन लेखन आदि के माध्यम से छात्रों को भाषा के रचनात्मक पहलू से परिचित कराना।
9. संक्षेपण आदि के माध्यम से छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना–षक्ति को बढ़ावा देना ।
10. छात्रों की सर्जनात्मक षक्ति एवं संभाषण कला को विकसित करना।
11. छात्रों को व्यावहारिक हिंदी तथा अंग्रेजी एवं हिंदी पारिभाषिक षब्दावली से अवगत कराना।
12. छात्रों में राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार–प्रसार करना।
13. छात्रों में पर्यावरण के प्रति सजगता एवं आस्था निर्माण करना।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. दृक–श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
5. पी.पी.टी./ भाषा प्रयोगषाला का प्रयोग।
6. विषेषज्ञों के व्याख्यान तथा साक्षात्कार व प्रष्नावली।
7. नभोवाणी कार्यक्रम कार्यषाला।

पाठ्य पुस्तकें: 1. गद्य परिमल – संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर,
डॉ. रामचंद्र साळुंके
प्रकाषक : जगत भारती प्रकाषन, इलाहाबाद
2. पद्य परिमल – संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर,
डॉ. अनिता नेरे
प्रकाषक : जगत भारती प्रकाषन, इलाहाबाद

प्रथम सत्र

गद्य पाठ

1. योग्यता और व्यवसाय का चुनाव (निबंध) – माधवराव सप्रे
2. परीक्षा ¼कहानी½ – प्रेमचंद
3. गुदड़ी में लाल (कहानी) – जयषंकर प्रसाद
4. हार की जीत (कहानी) – सुदर्षन
5. व्यापारे वसति लक्ष्मी : (निबंध) – बाबू गुलाबराय
6. सुभान खॉ (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी

पद्य पाठ

1. मुकरी – भारतेन्दु हरिष्चंद्र
2. एक बूँद – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
3. मेरा जीवन – सुभद्रा कुमारी चौहान
4. प्रार्थना मत कर – हरिवंषराय बच्चन
5. तीर्थयात्री – भवानीप्रसाद मिश्र

पाठ्य–पुस्तकेत्तर पाठ्यक्रमः

अ) पारिभाषिक षब्दावली (वाणिज्य/बैंकिग विषयक) – 100 संख्या

ब) पत्राचार (1) व्यावसायिक पत्र (माँग पत्र, एजेंसी लेने के लिए पत्र)

(2) बैंकिंग पत्र (ऋण लेने के लिए पत्र, खाता खोलने के लिए पत्र)

द्वितीय सत्र

गद्य पाठ

1. पानी और पुल ¼कहानी½ – महीपसिंह
2. पहली चूक (व्यंग्य निबंध) – श्रीलाल षुक्ल
3. वैष्विक गाँव के व्यापारी ¼कहानी½ – ज्ञान चतुर्वेदी
4. महाषूद्र (कहानी) – मोहनदास नैमिषराय
5. अग्निपथ ¼कहानी½ – मालती जोषी
6. औद्योगिक क्षेत्र के भीष्माचार्य–

   षंतनुराव किर्लोस्कर (जीवनी) – मुरलीधर जगताप

पद्य पाठ

1. जो लक्ष्य है..... – गिरिराजषरण अग्रवाल
2. वृंदावन – कुसुम अंसल
3. एक बार फिर आओ – जयप्रकाष कर्दम
4. गुड़ाई करते समय – एकांत श्रीवास्तव
5. मनुष्यता – अलीक

पाठ्य–पुस्तकेत्तर पाठ्यक्रमः

अ) पारिभाषिक षब्दावली (वाणिज्य/बैंकिग विषयक) – 100 संख्या
ब) विज्ञापन लेखन
क) संक्षेपण

अ) पारिभाषिक षब्दावली (वाणिज्य/बैंकिग विषयक) कुल– 100 षब्द

1	Account	खाता / लेखा
2	Act	अधिनियम
3	Advance	अग्रिम
4	Advertisement	विज्ञापन
5	Agreement	करार / अनुबंध
6	Audit	लेखा परीक्षा
7	Balance	बाकी / षेष
8	Banker	महाजन / साहुकार
9	Barrower	ऋणी / उधार लेने वाला
10	Bearer	वाहक / धारक
11	Bond	बंधपत्र
12	Boom	तेजी
13	Branch	षाखा
14	Branch Manager	षाखा प्रबंधक
15	Broker	दलाल
16	Budget	आय–व्यय पत्रक / बजट
17	Business	व्यवसाय / कारोबार
18	Capital	पूँजी
19	Cash	रोकड़
20	Cash-Credit	नकदी ऋण
21	Cash Memo	रोकड़पर्ची
22	Charge	प्रभार
23	Consumer	उपभोक्ता
24	Contact	संविदा
25	Credit	जमा
26	Currency	मुद्रा
27	Customer	ग्राहक / गाहक
28	Customs	सीमा षुल्क
29	Debit	नामे
30	Debt	ऋण
31	Deficit	घाटा
32	Demand	मांग
33	Deposit	जमा राषि / जमा
34	Discount	छूट
35	Dividend	लाभांष
36	Division	प्रभाग / मंड़ल
37	Duty	षुल्क

38	Embezzlement	ग़बन
39	Endorsement	पृष्ठांकन
40	Exchange	विनिमय
41	Export	निर्यात
42	Figures	अंक / आँकड़े
43	File	फाइल / मिसिल
44	Finance	वित्त
45	Financial	वित्तीय
46	For	कृते
47	Forfeiture	जब्ती
48	Grant	अनुदान
49	Gross	कुल
50	Guarantee	प्रत्याभूति
51	Head of Accountant	लेखाषीर्ष
52	Increment	वेतनवृद्धि
53	Initials	आद्याक्षर
54	Instalment	किष्त
55	Investment	निवेष
56	Invoice	बीजक
57	In-Ward	आवक
58	Job	नौकरी
59	Joining	कार्यग्रहण
60	Jurisdiction	अधिकार क्षेत्र
61	Ledger	खाता बही
62	Ledger folio	खातापृष्ठ
63	Liability	देयता / दायित्व
64	Lien	पुनर्ग्रहणाधिकार
65	Lock out	तालाबंदी
66	Loss	हानि
67	Management	प्रबंध
68	Marketing	विपणन / खरीददारी
69	Mortgage	बंधक
70	Notification	अधिसूचना
71	Out-Word	जावक
72	Paid	प्रदत्त / अदा किया हुआ
73	Pay-Scale	वेतनमान
74	Pay slip	अदापर्ची

75	Payee	अदाता
76	Paying	अदाकर्ता
77	Payment	भुगतान / अदायगी
78	Penalty	दंड / अर्थदंड
79	Pledge	गिरवी
80	Price control	मूल्य नियंत्रण
81	Qualification	योग्यता / अर्हता
82	Rate	छर
83	Rebate	छूट / घटौती
84	Receipt	पावती / रसीद
85	Recovery	वसुली
86	Recurring	आवर्ती / आवर्तक
87	Remuneration	पारिश्रमिक
88	Report	प्रतिवेदक
89	Revenue	राजस्व
90	Subsidy	अर्थसहाय
91	Surcharge	अधिभार
92	Teller	गणक
93	Treasury	ख़जाना
94	Trender	निविदा
95	Under	अधीन
96	Unit	एकक
97	Valuation	मूल्यांकन
98	Verification	सत्यापन
99	Withdrawal	आहरण / निकासी
100	Zone	अँचल

प्रष्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

सत्रांत परीक्षा

समय – दो घंटे पूर्णांक– 60

.....

सूचना – 1. सभी प्रष्न अनिवार्य है।

2. दाहिनी ओर लिखे अंक प्रष्न के पूर्णांक है।

प्रष्न 1	गदय पाठों पर लघूत्तरी (5 में से 3)	15
प्रष्न 2	पदय पाठों पर लघूत्तरी प्रष्न (5 में से 3)	15
प्रष्न 3.	ससंदर्भ व्याख्या	
	अ. गदय पाठों पर ससंदर्भ व्याख्या (2 में से 1)	05
	आ. पदय पाठों पर ससंदर्भ व्याख्या (2 में से 1)	05
	इ. एक वाक्य में उत्तर (8 में से 5)	05
	(गदय पाठों पर 4 प्रष्न ,पदय पाठों पर 4 प्रष्न)	
प्रष्न 4.	क. पारिभाषिक षब्द (12 में से 8)	08
	ख. पत्र लेखन (2 में से 1)	07
	(व्यावसायिक , बैंकिंग)	

प्रथम वर्ष वाणिज्य

हिंदी

प्रष्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा

समय – दो घंटे पूर्णांक– 60

.....

सूचना – 1. सभी प्रष्न अनिवार्य है।

2. दाहिनी ओर लिखे अंक प्रष्न के पूर्णांक है।

प्रष्न 1 गदय पाठों पर घूत्तरी प्रष्न (5 में से 3) 15

प्रष्न 2 पदय पाठों पर लघूत्तरी प्रष्न (5 में से 3) 15

प्रष्न 3. ससंदर्भ व्याख्या

अ. गदय पाठों पर ससंदर्भ व्याख्या (2 में से 1) 05

आ. पदय पाठों पर ससंदर्भ व्याख्या (2 में से 1) 05

इ. एक वाक्य में उत्तर (8 में से 5) 05

(गदय पाठों पर 4 ,पदय पाठों पर 4)

प्रष्न 4. क –पारिभाषिक षब्द (8 में से 5) 05

ख – विज्ञापन लेखन (2 में से 1) 05

ग – संक्षेपण 05

सूचना– 1. प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर 40 प्रतिषत प्रष्न और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर 60 प्रतिषत प्रष्न पूछें जाएँगे।

2. ससंदर्भ व्याख्या का प्रष्न केवल द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर होगा।

3. द्वितीय सत्र में 20 अंको की मौखिकी परीक्षा द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर ही होगी।

———————————————

संदर्भ ग्रंथः

1. साहित्यिक विधाएँः सैद्धांतिक पक्ष– डॉ. मधु धवन

2. समकालीन हिंदी कहानी का इतिहास. डॉ. अषोक भाटिया
3. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना,
4. व्यावहारिक हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
5. व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश पांडेय
6. दलित साहित्य एक मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल
7. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी भाषा– डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया/रचना भाटिया
8. भाषा के विविध रूप और अनुवाद – प्रो. कृष्णकुमार गोस्वामी,
9. हिंदी और उसका व्यवहार– डॉ. वसंत मोरे
10. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान–डॉ. रामदरष मिश्र
11. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना– डॉ. साधना षाह
12. दलित चेतना की कहानियाँ : बदलती परिभाषाएँ–राजमणि षर्मा
13. समकालीन कहानी का समाजषास्त्र–देवेंद्र चौबे
14. नये कवि एक अध्ययन–डॉ. संतोषकुमार तिवारी
15. साठोत्तरी हिंदी कहानियों में पुरुष चरित्र– डॉ. दीपा मैलारे
16. राजभाषा हिंदी का प्रयुक्तिपरक विष्लेषण– डॉ. सुषमा कोंडे
17. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम– डॉ. अंबादास देषमुख
18. प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ. मधुकर राठौड़
19. प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ. गोरख थोरात